

**युगंधर वि.** (तत्.) 1. बैलगाड़ी के अगले भाग की लंबी लकड़ी जिसमें जुआ अटकाया जाता है 2. जुआ धारण करने वाला 3. एक पर्वत का नाम 4. अस्त्र का एक यंत्र।

**युग पुं.** (तत्.) 1. युग्म, जोड़ा 2. बैलों के कंधों पर रखा जाने वाला जुआ 3. कालखंड, जमाना 4. किसी महान व्यक्ति से प्रभावित विशिष्ट समय 5. हिंदू वैदिक काल गणना में सत्य युग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलियुग चार युग माने गए हैं 6. लाक्ष. लंबा समय, जैसे- ऐसा लगता है आपसे मिले युग बीत गया 7. पद्य आदि में चार की संख्या ज्यो. बृहस्पति ग्रह का एक राशि में स्थित रहने का पाँच वर्ष का समय जिसे बार्हस्पत्य युग कहा जाता है 8. ऋद्धि और सिद्धि नाम की दो औषधियाँ।

**युगक्षय पुं.** (तत्.) युग की समाप्ति, युगांत।

**युगद्रष्टा पु.** (तत्.) 1. युग की समस्याओं और उनके समाधान के विषय में सोचने समझने वाला व्यक्ति 2. युग विशेष का अत्यंत प्रभावी महापुरुष 3. दूरदर्शी, समय की नब्ज पकड़ने वाला व्यक्ति।

**युगति स्त्री.** (तद्.) 1. युक्ति 2. विधि, तरीका, प्रक्रिया, क्रिया मार्ग।

**युगधर्म पुं.** (तत्.) 1. समयानुकूल आचरण, जैसी परिस्थिति हो उसके अनुकूल आचरण एवं कार्य 2. किसी युग में प्रचलित सर्वमान्य कार्य।

**युगनद्ध वि.** (तत्.) परस्पर आबद्ध, आपस में जुड़े हुए, लिपटे हुए, परस्पर संयुक्त।

**युगपत् अव्य.** (तत्.) एक ही समय में, साथ-साथ।

**युगपुरुष पुं.** (तत्.) अपने समय का सर्वश्रेष्ठ महापुरुष, युगद्रष्टा महापुरुष, किसी भी क्षेत्र में अपने समय में युगांतरकारी परिवर्तन लाने वाला पुरुष।

**युगप्रवर्तक पुं.** (तत्.) मान. किसी समय विशेष में नया कार्य आरंभ करने वाला, समाज या देश में परिवर्तन लाने वाला, आर्थिक, राजनैतिक,

शैक्षणिक, वैज्ञानिक, धार्मिक किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन लाने वाला, युगांतरकारी परिवर्तन लाने वाला।

**युगल वि.** (तत्.) दो, जो दो की संख्या में हो, जोड़े के रूप में, पति-पत्नी, प्रेमी-प्रेमिका।

**युगलक पु.** (तत्.) 1. जोड़ा 2. श्लोक, पद्यों का ऐसा जोड़ा जिसका एक साथ अन्वय करके ही अर्थ निकलता हो।

**युगलन पुं.** (तत्.) 1. युग्मन, जोड़े बनाने की क्रिया, भाव 2. दो वस्तुओं को बांधकर या मिलाकर एक साथ करने की क्रिया, भाव 3. रति काल में पशुओं, पक्षियों, कीटों आदि द्वारा नर-मादा जोड़े बनाने की क्रिया।

**युगांत पुं.** (तत्.) 1. युग परिवर्तन, चल रहे युग के ठीक बाद का युग 2. दूसरा, भिन्न युग 3. नए प्रकार का अच्छा जमाना 4. समय का प्रवाह, दिशा बदल जाना 5. आमूल परिवर्तन, क्रांति।

**युगाद्या स्त्री.** (तत्.) युग का प्रारंभ, किसी युग के आरंभ होने की तिथि, युगादि तिथि जैसे- सत्ययुग की युगाद्या (तिथि) वैशाख शुक्ल तृतीया, त्रेतायुग की कार्तिक शुक्ल नवमी, द्वापर युग की भाद्र त्रयोदशी और कलियुग की पौष अमावस्या है।

**युग्म वि.** (तत्.) 1. दो की संख्या वाले, जोड़ा 2. दो वस्तुएँ आदि जो प्रायः साथ हों या एक दूसरे पर आश्रित हो 3. ज्यो. मिथुन राशि 4. कुलक का एक भेद।

**युग्मक वि.** (तत्.) 1. जोड़ा 2. प्राणि. अगुणित गुण सूत्रों वाली दो तरह की परिपक्व जनन कोशिकाएँ जिनके संलयन से बना निषेचित अंडाणु (युग्मनज) परिवर्तित होकर नई व्यष्टि बनाता है, नर युग्मक को शुक्राणु और मादा युग्मक को अंडाणु कहते हैं 3. भा.वि. योजक 4. रसा. द्विसंयोजक। cromosoms

**युग्मकद्रव्य पुं.** (तत्.) युग्मक (शुक्राणु और अंडाणु) अथवा नर या मादा कोश का निर्धारण करने वाला पौधों में विद्यमान पदार्थ।